# University in News on 25 October 2024

## SWATANTRA BHARAT PAGE 2

### छात्रों को सिखाए दैनिक जीवन में एआई के प्रयोग

**स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ।** लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी और तकनीकी संकाय में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल एवं सैमसंग इनोवेशन कैंपस के तहत संचालित कोडिंग एंड प्रोग्रामिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं बिग डाटा कोर्सेज को सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले छात्रों के लिए प्रमाणपत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ में संकाय के डीन प्रो एके सिंह ने सैमसंग के सदस्यों को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया।

सैमसंग इन्नोवेशन कैंपस के तहत तीन प्रकार के संचालित कोर्सस के अंतर्गत लविवि के कुल 300 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया और इसे सफलतापूर्वक पूरा भी किया। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कोर्स के तहत प्रतिभागियों ने दैनिक जीवन में होने वाले विभिन्न प्रकार के एआई के प्रयोग जैसे कि एआई के माध्यम से वॉइस असिस्टेंट, रिकमेंडेशन सिस्टम, सोशल मीडिया, स्मार्ट होम डिवाइसेज, ईमेल फिल्टरिंग जैसी सेवाओं का अध्ययन किया तथा उनके अनुप्रयोग सीखें। इसके अंतर्गत प्रतिभागियों को मशीन लर्निंग, न्यूरल नेटवर्क, नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग और डीप लर्निंग जैसी तकनीकों का उपयोग सिखाया गया। कोडिंग एंड प्रोग्रामिंग कोर्स के तहत प्रतिभागियों को पाइथन जोकि आज के समय में कंप्यूटर के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण प्रोग्रामिंग लैंग्वेज है, उसे पूरी तरह से सिखाया एवं उस प्रोग्रामिंग लैंग्वेज में डेवलपमेंट को भी समझाया गया। इसके पश्चात तीन दिन की हैकथॉन का आयोजन करके प्रतिभागियों को अपने स्किल निखारने का अवसर प्रदान किया गया। बिग डाटा कोर्स के तहत प्रतिभागियों को डाटा सेट्स के लिए हडूप, स्पार्क और नो एसक्यूएल डेटाबेस का उपयोग करना सिखाया गया। इस अवसर पर कुल 300 प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरण किए गए।

### जनरेटिव एआई से महत्वपूर्ण शैक्षणिक उपकरणों का निर्माण संभव

**स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ।** एलयू के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के तत्वावधान में एडब्ल्यूएस क्लाउड क्लब ने वेबिनार किकस्टार्ट जनरेटिव एआई विद एडब्ल्यूएस बेडरॉक का आयोजन किया। वेबिनार की शुरुआत में अपने स्वागत उद्बोधन में प्रो.एके सिंह, डीन अभियांत्रिकी संकाय ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, जनरेटिव एआई का उपयोग छात्रों को भविष्य की समस्याओं के समाधान ढूंढने में मदद कर सकता है। उन्होंने बताया कि कैसे जनरेटिव एआई की मदद से व्यक्तिगत अध्ययन सामग्री, रिसर्च रिपोर्ट्स और अन्य महत्वपूर्ण शैक्षणिक उपकरणों का निर्माण संभव है। भविष्य में वे छात्र जो जनरेटिव एआई में दक्ष होंगे, वे वैश्विक स्तर पर नए करियर के अवसरों का लाभ उठा सकेंगे। वेबिनार मे एडब्ल्यूएस के आयरलैंड एवं यूके के एकेडमिक डेवलपर एडवोकेट स्टीफन हॉवेल मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने जनरेटिव एआई और एडब्लूएस बेडरॉक पर आधारित तकनीकों की शक्ति और उनकी उपयोगिता पर गहन चर्चा की। उन्होंने बताया कि कैसे एडब्लूएस बेडरॉक प्लेटफॉर्म ने एआई मॉडल्स को बड़े पैमाने पर डिप्लॉय करना आसान बना दिया है,जिससे कई इंडस्ट्रीज अपने व्यवसायों में एआई को शामिल कर रही हैं। स्टीफन हॉवेल ने रियल लाइफ उदाहरणों के माध्यम से समझाया कि किस तरह से विभिन्न कंपनियां और संगठन एडब्लूएस बेडरॉक का उपयोग करके अपने कार्यों को स्वचालित कर रहे हैं। उन्होंने उदाहरण दिया कि फाइनेंस सेक्टर में जनरेटिव एआई का उपयोग करते हुए एडब्लूएस बेडरॉक पर आधारित मॉडल्स ने धोखाधड़ी का पता लगाने और ग्राहकों के व्यवहार की भविष्यवाणी करने में मदद की है। इसके अलावा, कस्टमर सर्विस में एआई-आधारित चैटबॉट्स का उपयोग बढ़ गया है, जो ग्राहकों की शिकायतों और प्रश्नों का तुरंत समाधान करते हैं, जिससे ग्राहक संतुष्टि में वृद्धि हो रही है। उन्होंने हेल्थकेयर क्षेत्र का भी उदाहरण दिया, जहां एडब्लूएस बेडरॉक पर चलने वाले एआई मॉडल्स ने डॉक्टरों को मरीजों के रिकॉर्ड का विश्लेषण करने और डायग्नोस्टिक्स के लिए सटीक सुझाव देने में मदद की है। हॉवेल ने यह भी बताया कि कैसे हेल्थकेयर संस्थानों ने एआई-आधारित इमेज प्रोसेसिंग का उपयोग करके रेडियोलॉजी स्कैन से सटीक बीमारी की पहचान की है। ई-कॉमर्स क्षेत्र में भी, एडब्लूएस बेडरॉक का उपयोग करके एआई मॉडल्स ने पर्सनलाइज्ड मार्केटिंग को एक नए स्तर पर पहुंचा दिया है। स्टीफन ने उदाहरण के रूप में बताया कि कैसे विभिन्न ई-कॉमर्स कंपनियां ग्राहकों की खरीदारी की आदतों का विश्लेषण करके उन्हें व्यक्तिगत सुझाव देती हैं, जिससे उनके बिक्री में बढ़ोतरी हुई है।

उन्होंने छात्रों से कहा कि एडब्लूएस बेडरॉक की मदद से जनरेटिव एआई मॉडल्स को जल्दी से डिप्लॉय किया जा सकता है और इनका इस्तेमाल हर उस जगह किया जा सकता है, जहां स्वचालन, डेटा प्रोसेसिंग और तेजी से निर्णय लेने की आवश्यकता होती है। कार्यक्रम का समन्वयन डॉ.हिमांशु पांडे, इंचार्ज, ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल ने किया। छात्र समन्वयक रणजीत सिंह, एडब्लूएस क्लाउड कैप्टन ने भी आयोजन को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई। इस वेबिनार के माध्यम से छात्रों को जनरेटिव एआई और एडबलूएस के आधुनिक टूल्स के बारे में व्यापक जानकारी प्राप्त हुई, जो उनकी भविष्य की शिक्षा और करियर में महत्वपूर्ण साबित होगी।

## JAGRAN CITY PAGE III

### लवि : जंतु विज्ञान विभाग में खुलेगी हेल्थ केयर यूनिट

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के जंतु विज्ञान विभाग में जल्द ही हेल्थ केयर यूनिट की स्थापना की जाएगी। यहां छात्र-छात्राओं से लेकर शिक्षकों एवं कर्मचारियों के प्राथमिक उपचार के लिए बेड, व्हील चेयर, ब्लड प्रेशर व पल्स नापने की मशीन से लेकर हेल्थ से जुड़ी कई उपकरण की व्यवस्था कर दी गई है। जल्द ही शुभारंभ किया जाएगा।

लवि में वैसे तो आरोग्य भवन के नाम से डिस्पेंसरी की सुविधा है। यहां दवाओं के साथ-साथ चिकित्सक की भी सुविधा है। अब जंतु विज्ञान विभाग ने अपने स्तर से भी हेल्थ केयर यूनिट शुरू करने की तैयारी की है। विभागाध्यक्ष प्रो. एम सेराजुद्दीन ने बताया कि विभाग स्तर पर इसलिए इसकी स्थापना की जा रही है जिससे विद्यार्थियों, शिक्षकों या कर्मचारियों को दिक्कत होने पर तुरंत सुविधा मिल सके। परामर्श के लिए बीच-बीच में डाक्टरों को भी बुलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि अभी तक विभाग स्तर पर यह व्यवस्था कहीं नहीं है।



हेल्थ केयर यूनिट की स्थापना के लिए बेड, व्हील चेयर मंगवाई गई • विज्ञप्ति

#### एमएफपी की नवीन अवधारणा पर मिला कापीराइट

जासं • लखनऊ : लवि के वाणिज्य विभाग के प्रो . सोमेश कुमार शुक्ला व अभिषेक द्विवेदी को कृषि उत्पादों के लिए न्यूनतम उचित मूल्य (एमएफपी) नामक नवीनतम अवधारणा पर सफलतापूर्वक कापीराइट आवंटित किया गया है। प्रो . सोमेश शुक्ला ने बताया कि यह अवधारणा भारतीय कृषि क्षेत्र में बड़ा बदलाव लाने के लिए तैयार की गई है, जो किसानों को उचित मूल्य दिलाने, आय सुरक्षा प्रदान करने और उनके जीवन स्तर में सुधार करने में सहायक होगी। बताया कि एमएफपी माडल कृषि उत्पादों के लिए एक न्यूनतम मूल्य की गारंटी देता है, जिससे किसानों को अनिश्चित बाजार स्थितियों से बचाया जा सकेगा। यह सुधार ग्रामीण आर्थिक स्थिरता को बढ़ावा देने और किसानों के कल्याण को बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा।

**जेंडर इक्वलिटी विषय पर व्याख्यान :** कृष्णा देवी गर्ल्स डिग्री कालेज में गुरुवार को मिशन शक्ति फेज-5 के अंतर्गत 'जेंडर इक्वलिटी एंड विकसित भारत- एन एनालिसिस पालिसी इनीशिएटिव्स' विषय पर व्याख्यान हुआ। इसमें जगत तारन गर्ल्स डिग्री कालेज प्रयागराज की प्राचार्य प्रो . आशिमा घोष ने नीतिगत पहल के लिए शीर्ष नेतृत्व की आवश्यकता, जेंडर रेस्पांसिव बजटिंग, भ्रूण हत्या रोकने एवं बराबरी की हिस्सेदारी पर चर्चा की।

#### वितरित किए प्रमाणपत्र

लखनऊ : लवि के इंजीनियरिंग संकाय में गुरुवार को सैमसंग इनोवेशन कैंपस के तहत कोडिंग, एआइ और बिग डेटा कोर्सेस के प्रमाणपत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय ने तीन प्रकार के कोर्स संचालित किए थे, जिनमें 300 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। (जासं)

## AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

### लविवि के प्रो. सोमेश शुक्ला को मिला पेटेंट

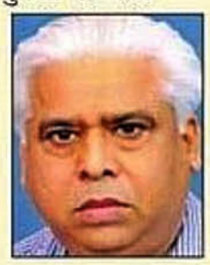



**लखनऊ।** लविवि के वाणिज्य विभाग में प्रो. सोमेश शुक्ला को पेटेंट प्रदान किया गया है। उन्हें कृषि उत्पादों के लिए न्यूनतम उचित मूल्य (एमएफपी) की अवधारणा पर कॉपीराइट आवंटित किया गया है। प्रो. शुक्ला के मुताबिक, यह अवधारणा किसानों को उचित मूल्य दिलाने, आय सुरक्षा प्रदान करने और उनके जीवन स्तर में सुधार करने में सहायक होगी। मॉडल कृषि उत्पादों के लिए एक न्यूनतम मूल्य की गारंटी देता है। (संवाद)

### विद्यार्थियों को बांटे प्रमाण पत्र

**लखनऊ।** लविवि के नवीन परिसर स्थित इंजीनियरिंग संकाय में बृहस्पतिवार को प्रमाण पत्र वितरण हुआ। यहां सैमसंग इनोवेशन कैंपस के अंतर्गत संचालित कौशल और तकनीक परक तीन कोर्स के समापन पर तीन सौ से अधिक विद्यार्थी शामिल रहे। कार्यक्रम डीन प्रो. एके सिंह और डॉ. हिमांशु पांडेय उपस्थित रहे। (संवाद)